



## भारत में खाद्य तेल आयात

संदर्भ: पिछले एक दशक में, भारत में खाद्य तेल के आयात में लगभग 1.5 गुना की वृद्धि देखी गई है, जिससे भारतीय रुपये का मूल्य दोगुना से अधिक हो गया है।

### आयात रुझान:

- खाद्य तेल का आयात वर्ष 2013-14 में 11.6 मिलियन टन (60,750 करोड़ रुपये) से बढ़कर 2022-23 में 16.5 मिलियन टन (138,424 करोड़ रुपये) हो गया।
- इस संदर्भ में पिछले तीन वर्षों में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई।
- खाद्य तेल आयात में वर्ष 2004-05 से 2013-14 के दशक में उल्लेखनीय वृद्धि हुई।

### वैश्विक मूल्य प्रभाव:

- खाद्य तेल आयात मात्रा में वृद्धि के बावजूद, डॉलर और रुपये दोनों के संदर्भ में आयात मूल्य में गिरावट आई।
- वैश्विक मूल्य गिरावट ने आयात मूल्यों में कमी को प्रभावित किया।

### आत्मनिर्भरता में कमी:

- वर्ष 2022-23 में घरेलू खाद्य तेल उत्पादन लगभग 10.3 मिलियन टन तक पहुंच गया।
- आयात सहित कुल उपलब्धता 26.8 मिलियन टन थी, जिसमें घरेलू उत्पादन का योगदान केवल 38.6% था।
- वर्ष 2004-05 से बिल्कुल विपरीत जब घरेलू उत्पादन आयात से अधिक हो गया, जिसके परिणामस्वरूप आत्मनिर्भरता अनुपात लगभग 60% हो गया।

### घरेलू तेलों की प्रोफाइल:

- भारत के खाद्य तेल उत्पादन में सरसों और सोयाबीन शीर्ष योगदानकर्ता के रूप में उभरे हैं।
- कपास के बीज और चावल की भूसी तीसरे और चौथे स्थान पर हैं।
- कपास के उत्पादन और पैदावार में बदलाव से बिनोला तेल उत्पादन पर व्यापक असर पड़ता है।

### आयात संरचना:

- प्रमुख आयातों में पाम (9.8 मिलियन टन), सोयाबीन (3.7 मिलियन टन), और सूरजमुखी (3 मिलियन टन) तेल शामिल हैं।
- आयात में सबसे बड़ा हिस्सा कच्चे तेल का होता है।

### वैश्विक कीमतों के प्रति संवेदनशीलता:

- उच्च आयात निर्भरता उत्पादकों और उपभोक्ताओं को अंतरराष्ट्रीय मूल्य में उतार-चढ़ाव के संपर्क में लाती है।
- भारत में खाद्य तेल की मुद्रास्फीति वैश्विक मुद्रास्फीति से संबंधित है, लेकिन अधिक अस्थिरता प्रदर्शित करती है।

### सरकारी हस्तक्षेप और प्रौद्योगिकी अपनाना:

- आत्मनिर्भरता बढ़ाने के लिए घरेलू तिलहन उत्पादन बढ़ाने की जरूरत है।
- सरसों और सोयाबीन में जीएम संकर जैसी प्रौद्योगिकियों को अपनाने से योगदान मिल सकता है।
- तिलहन की खेती को प्रोत्साहित करने के लिए संभावित रूप से मूल्य गारंटी के माध्यम से सरकारी समर्थन महत्वपूर्ण है।

### भविष्य के अनुमान:

- 2029-30 तक 30-32 मिलियन टन की अनुमानित खपत आवश्यकताएँ।
- उत्पादन को बढ़ावा देने के प्रयासों के बिना, वार्षिक आयात 20 मिलियन टन से अधिक हो सकता है, जिससे आत्मनिर्भरता अनुपात और कम हो सकता है।

INDIA'S EDIBLE OIL IMPORTS			
Oil Year (Nov-Oct)	Quantity (million tonnes)	Value in (₹cr)	Value in US\$ billion
2013-14	11.62	60,750	9.95
2014-15	14.42	62,862	9.65
2015-16	14.57	69,780	10.4
2016-17	15.08	75,125	11.55
2017-18	14.51	66,942	9.3
2018-19	14.91	62,933	9
2019-20	13.18	71,625	9.95
2020-21	13.13	117,225	15.6
2021-22	14.03	156,800	19.6
2022-23	16.47	138,424	16.65

## रोगाणुरोधी प्रतिरोध (एएमआर)

संदर्भ: विश्व एंटी-माइक्रोबियल प्रतिरोध जागरूकता सप्ताह 18 से 24 नवंबर 2023 तक मनाया जा रहा है।

### एएमआर की परिभाषा:

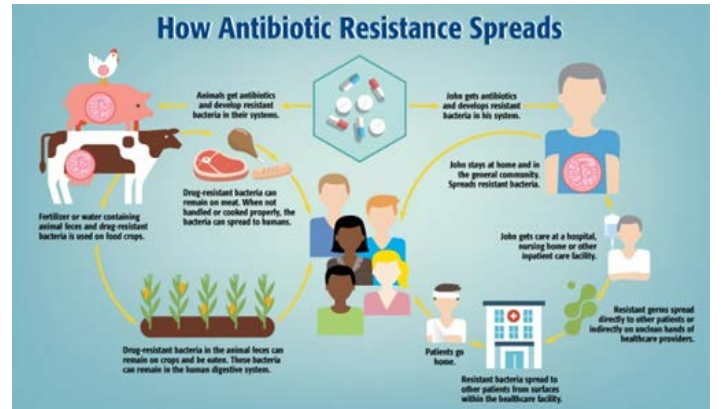
- एएमआर एक सूक्ष्म जीव की पहले से प्रभावी दवाओं के प्रभाव का विरोध करने की क्षमता को संदर्भित करता है।
- प्रतिरोधी रोगाणु उपचार में चुनौतियाँ उत्पन्न करते हैं, जिसके लिए वैकल्पिक दवाओं या उच्च खुराक की आवश्यकता होती है।

### प्रतिरोधी सूक्ष्मजीवों के प्रकार:

कई रोगाणुरोधी दवाओं के प्रति प्रतिरोधी सूक्ष्मजीवों को मल्टी ड्रग रेसिस्टेंट (एमडीआर) या सुपरबग कहा जाता है।

### एएमआर के कारण:

- मानव और पशु चिकित्सा पद्धतियों में एंटीबायोटिक दवाओं का बढ़ता उपयोग।
- ब्रॉड-स्पेक्ट्रम एंटीबायोटिक दवाओं के अति प्रयोग सहित अतार्किक खपत।
- प्रभावी विनियमन का अभाव, क्योंकि वर्तमान मानक फार्मास्युटिकल उद्योग के अपशिष्टों में एंटीबायोटिक अवशेषों की निगरानी नहीं कर सकते हैं।



## Face to Face Centres





- अनुपचारित शहरी कचरे का अनियंत्रित निर्वहन, कई निम्न और मध्यम आय वाले देशों में एमआर में योगदान दे रहा है।
- **आईसीएमआर अध्ययन निष्कर्ष (2022):** व्यापक-स्पेक्ट्रम रोगाणुरोधकों के प्रति प्रतिरोध स्तर सालाना 5-10% बढ़ जाता है।
- **एमआर का प्रभाव:**
  - **संक्रमण के उपचार पर प्रभाव:**
    - प्रतिरोध निमोनिया, तपेदिक, सेप्टीसीमिया और खाद्य जनित रोगों जैसे संक्रमणों के उपचार में बाधा डालता है।
    - मल्टीड्रग प्रतिरोध तपेदिक की वैश्विक महामारी को गंभीर रूप से प्रभावित करता है।
  - **स्वास्थ्य लागत:** एमआर रोगियों पर महत्वपूर्ण स्वास्थ्य लागत लगाता है, जिससे लंबे समय तक अस्पताल में भर्ती रहना, स्वास्थ्य संबंधी जटिलताएँ और देरी से ठीक होना होता है।
  - **कमजोर मरीजों का जोखिम:** कीमोथेरेपी जैसे प्रमुख सर्जरी और उपचार से गुजरने वाले मरीजों के लिए जोखिम बढ़ जाता है।
- **रोग दबाव:**
  - इस समय समग्र विश्व सहित भारत में संक्रामक रोगों का बोझ बढ़ता है और देश की स्वास्थ्य प्रणालियों पर दबाव पड़ता है।
  - वर्ष 2019 में, एमआर लगभग 4.95 मिलियन मानव मृत्यु को संदर्भित करता था।
- **एमआर से निपटने के लिए भारत द्वारा किये गए प्रयास**
  - **मस्कट घोषणापत्र:**
    - 30 से अधिक देशों ने एमआर पर मस्कट मंत्रिस्तरीय घोषणापत्र को अपनाया।
    - एमआर को नियंत्रित करने के लिए वन हेल्थ एक्शन को लागू करने के लिए राजनीतिक प्रतिबद्धताओं पर जोर दिया गया है।
  - **मस्कट घोषणापत्र के लक्ष्य:**
    - 2030 तक कृषि-खाद्य प्रणाली में रोगाणुरोधी उपयोग को 30-50% तक कम करना।
    - जानवरों और खाद्य उत्पादन में चिकित्सीय रूप से महत्वपूर्ण रोगाणुरोधकों का उपयोग समाप्त करना।
    - यह सुनिश्चित करना कि वर्ष 2030 तक मनुष्यों में कुल एंटीबायोटिक खपत का 60% डब्ल्यूएचओ "एक्सेस" समूह से हो।
  - **ग्लास (GLASS) को रिपोर्ट करना:**
    - भारत का लक्ष्य निजी क्षेत्र की भागीदारी को मजबूत करना और WHO वैश्विक रोगाणुरोधी प्रतिरोध और उपयोग निगरानी प्रणाली (GLASS) के लिए डेटा रिपोर्टिंग को बढ़ाना है।
- **राष्ट्रीय पहल:**
  - रोगाणुरोधी प्रतिरोध पर राष्ट्रीय कार्य योजना (2017-21) हाथ की स्वच्छता, स्वच्छता कार्यक्रमों और सार्वजनिक स्वास्थ्य पहल पर केंद्रित है।
  - राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति 2017 एंटीबायोटिक के उपयोग को सीमित करने, नुस्खे की जांच करने और पशुधन में उपयोग को विनियमित करने के लिए दिशानिर्देश प्रदान करती है।

## भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम के 60 वर्ष

संदर्भ: 21 नवंबर, 2023 को नाइके अपाचे रॉकेट फॉर्म थ्रुम्बा लॉन्च पैड के लॉन्च की 60वीं वर्षगांठ है, जिसने भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम की शुरुआत को चिह्नित किया।

- **दोहरे उद्देश्य:**
  - अंतरिक्ष अभियानों के माध्यम से अंतरिक्ष की खोज और अन्वेषण।
  - सुदूर क्षेत्रों में टेली-शिक्षा सहित देश में अंतरिक्ष विज्ञान से संबंधित अनुसंधान और शिक्षा को बढ़ावा देना।
- **अतिरिक्त प्रकार्य:**
  - संसाधन प्रबंधन, जैसे खनिज संसाधन, कृषि और समुद्री संसाधन।
  - पर्यावरण संरक्षण।
  - आंतरिक सुरक्षा और आतंकवाद, क्षेत्रीय सुरक्षा के लिए आईआरएनएसएस जैसी प्रौद्योगिकियों का उपयोग।
  - मौसम की भविष्यवाणी।
  - आपदा प्रबंधन।
- **भारतीय राष्ट्रीय उपग्रह (इनसैट) श्रृंखला:**
  - यह भू-स्थिर कक्षा में नौ परिचालन संचार उपग्रह है।
  - इस इन्सैट प्रणाली में 14 परिचालन उपग्रह शामिल हैं, जो शैक्षिक टीवी सेवाओं, टेलीमेडिसिन, आपदा प्रबंधन और भू-राजनीति जैसे विभिन्न अनुप्रयोगों की सेवा प्रदान करते हैं।
- **भारतीय रिमोट सेंसिंग सैटेलाइट (आईआरएस):**
  - यह सुदूर संवेदन उपग्रहों के सबसे बड़े समूहों में से एक है।
  - इसमें कार्टोसैट, ओशनसैट और आरआईएसएटी जैसे उपग्रह शामिल हैं, जो आपदा प्रबंधन, कृषि, मानचित्रण और ग्रामीण/शहरी विकास जैसे अनुप्रयोगों की सेवा प्रदान करते हैं।

SLV-3	ASLV	PSLV-XL	GSLV Mk II	GSLV Mk III
Height : 22.7m Lift-off weight : 17t Propulsion : All Solid Payload mass : 40 kg Orbit : Low Earth Orbit	Height : 23.5m Lift-off weight : 39t Propulsion : All Solid Payload mass : 150 kg Orbit : Low Earth Orbit	Height : 44m Lift-off weight : 320t Propulsion : Solid & Liquid Payload mass : 1840 kg Orbit : Sun Synchronous Polar Orbit (1300 km in Geosynchronous Transfer Orbit)	Height : 49m Lift-off weight : 414 t Propulsion : Solid, Liquid & Cryogenic Payload mass : 2200 kg Orbit : Geosynchronous Transfer Orbit	Height : 43.43 m Lift-off weight : 540 t Propulsion : Solid, Liquid & Cryogenic Payload mass : 4000 kg Orbit : Geosynchronous Transfer Orbit

## Face to Face Centres





➤ भारतीय अंतरिक्ष कार्यक्रम में किये जा रहे प्रयास:

- **चरण I: 1960-70 (प्रारंभिक चरण):**
  - डॉ. विक्रम साराभाई का व्यापक दृष्टिकोण और 1969 में इसरो की स्थापना।
  - परिज्ञापी रॉकेटों का प्रक्षेपण और स्वदेशी प्रौद्योगिकी का विकास।
- **द्वितीय चरण: 1970-80:**
  - उपग्रह प्रौद्योगिकी का विकास, 1975 में आर्यभट्ट का प्रक्षेपण।
  - 1980 में स्वदेशी उपग्रह रोहिणी का प्रक्षेपण।
- **चरण III: 1980-90:**
  - 1987 में संवर्धित उपग्रह प्रक्षेपण यान (एएसएलवी) का परीक्षण।
  - आरंभिक असफलताएँ लेकिन आखिरकार 1992 में सफलता मिली।
- **चरण IV: 1990-2000:**
  - 1994 में ध्रुवीय उपग्रह प्रक्षेपण यान (पीएसएलवी) का सफल प्रक्षेपण।
  - अब पीएसएलवी एक वर्कहॉर्स लॉन्च वाहन (workhorse launch vehicle) बन गया है।

➤ 2000 के बाद के विकास:

- 2001 में जीएसएलवी विकास।
- 2008 में चंद्रयान-1 के साथ चंद्रमा की खोज।
- विदेशी पेलोड लॉन्च करने और पीएसएलवी, जीएसएलवी और जीएसएलवी मार्क-III जैसे कार्यक्रमों का विकास।

➤ गगनयान मिशन और हालिया विकास:

- **गगनयान मिशन (2023):**
  - दो मानव रहित और एक मानव अंतरिक्ष उड़ान के साथ तीन उड़ानें।
  - तीन भारतीय अंतरिक्ष यात्रियों को रखने के लिए ऑर्बिटल मॉड्यूल।
- **स्क्रेमजेट इंजन (2016):**
  - ईंधन के रूप में हाइड्रोजन और ऑक्सीडाइजर के रूप में वायुमंडलीय ऑक्सीजन का उपयोग करके स्क्रेमजेट इंजन का सफल परीक्षण।
- **इन-स्पेस, एनएसआईएल, और आईएसपीए:**
  - निजी क्षेत्र की भागीदारी के लिए इन-स्पेस (IN-SPACE) कार्यक्रम।
  - इसरो की वाणिज्यिक शाखा के रूप में एनएसआईएल।
  - भारतीय अंतरिक्ष उद्योग की सामूहिक आवाज के रूप में ISpAI।
- **हाल के उपग्रह मिशन:**
  - रिमोट सेंसिंग के लिए अमेजोनिया-1 का प्रक्षेपण।
  - रेडियो रिले सेवाओं के लिए UNITYsat की तैनाती।
  - विकिरण स्तर और अंतरिक्ष मौसम का अध्ययन करने के लिए एसडीसैट।
- **आगामी मिशन:**
  - शुक्र ग्रह के लिए शुक्रयान मिशन और 2030 तक अपना खुद का अंतरिक्ष स्टेशन बनाने की योजना।
  - एल1 बिंदु से सूर्य का अध्ययन करने के लिए आदित्य एल1 मिशन।
  - एकसपोसैट, एक अंतरिक्ष वेधशाला जिसे ब्रह्मांडीय एक्स-रे का अध्ययन करने के लिए डिज़ाइन किया गया है।

## NEWS IN BETWEEN THE LINES

### अंतरसरकारी वार्ता समिति



हाल ही में, अंतरसरकारी वार्ता समिति (Intergovernmental Negotiating Committee) के अंतिम दिन के दौरान, संपर्क समूहों ने प्लास्टिक-मुक्त ग्रह के लक्ष्य को आगे बढ़ाने के लिए 'शून्य ड्राफ्ट' में संशोधित अनुभागों की पहली समीक्षा पूरी की।

अंतरसरकारी वार्ता समिति के बारे में:

- प्लास्टिक प्रदूषण पर कानूनी रूप से बाध्यकारी अंतर्राष्ट्रीय साधन बनाने के लिए अंतर सरकारी वार्ता समिति (आईएनसी) की स्थापना की गई थी।
- यह पर्यावरण पर विश्व की सर्वोच्च स्तरीय निर्णय लेने वाली संस्था है।
- इसकी स्थापना फरवरी 2022 में हुई थी।
- इसका काम 2022 की दूसरी छमाही में शुरू हुआ और 2024 के अंत तक पूरा होने की उम्मीद है।

कांग्रेस के सत्र:

- INC1: यह 28 नवंबर से 2 दिसंबर, 2022 तक पुंटा डेल एस्टे, उरुग्वे में आयोजित किया गया था।
- INC2: यह 29 मई से 2 जून, 2023 तक पेरिस, फ्रांस में आयोजित किया गया था।
- INC3: यह 13-19 नवंबर, 2023 तक नैरोबी, केन्या में आयोजित किया गया था।

## Face to Face Centres









<p><b>सी बकथॉर्न</b></p> 	<p>हाल ही में, लद्दाख के सी बकथॉर्न फल को भौगोलिक संकेत (जीआई) टैग से सम्मानित किया गया है। <b>सी बकथॉर्न के बारे में:</b></p> <ul style="list-style-type: none"> <li>सी बकथॉर्न ने लद्दाख परमीना, खुबानी (रकसे कार्पो प्रजाति) और लद्दाखी लकड़ी की मूर्तियों के बाद लद्दाख में चौथा जीआई टैग प्राप्त किया है।</li> <li>इसे लेह बेरी के नाम से भी जाना जाता है, यह विटामिन सी और विभिन्न अन्य पोषक तत्वों से भरपूर छोटे, खट्टे नारंगी के जैसा होता है।</li> <li>यह प्राकृतिक रूप से लद्दाख की चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में लगभग 11,500 हेक्टेयर में फैला हुआ है, जो अत्यधिक ठंड (शून्य से 43 से 40 डिग्री सेल्सियस तक) और सूखे के प्रति लचीलापन प्रदर्शित करता है।</li> <li>सी बकथॉर्न को इसके अंतर्निहित गुणों के कारण पारंपरिक रूप से ईंधन, दवा और पोषण पूरक के रूप में उपयोग किया जाता रहा है।</li> <li>सी बकथॉर्न को विभिन्न नामों से जाना जाता है, जिनमें "वंडर प्लांट," "लद्दाख गोल्ड," "गोल्डन बुश" या ठंडे रेगिस्तान की "सोने की खान" (Gold Mine) शामिल हैं।</li> </ul>
<p><b>सिल्क्यारा बेंड-बारकोट सुरंग</b></p> 	<p>उत्तराखंड के उत्तरकाशी जिले में यमुनोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग पर 12 नवंबर को भोर में ढह गई निर्माणाधीन सिल्क्यारा-बरकोट सुरंग में बचाव अभियान जारी है। <b>सिल्क्यारा बेंड-बारकोट सुरंग के बारे में:</b></p> <ul style="list-style-type: none"> <li>उत्तराखंड में NH-134 (पुराना NH-94) के साथ 4.531 किमी 2-लेन द्वि-दिशात्मक सिल्क्यारा बेंड - बारकोट सुरंग के लिए निर्माण परियोजना की योजना बनाई गई है।</li> <li>प्रधान मंत्री श्री की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल की आर्थिक मामलों की समिति ने परियोजना को मंजूरी दे दी।</li> <li>यह परियोजना महत्वाकांक्षी चारधाम योजना के हिस्से के रूप में सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय की एनएच (ओ) योजना के अंतर्गत आती है।</li> <li>परियोजना को इंजीनियरिंग, खरीद और निर्माण (ईपीसी) मोड के तहत क्रियान्वित किया जाएगा।</li> <li>परियोजना को 4 वर्षों के भीतर पूरा करने का लक्ष्य है।</li> <li>इसका उद्देश्य यमुनोत्री को साल भर कनेक्टिविटी प्रदान करना, क्षेत्र में व्यापार, पर्यटन और सामाजिक-आर्थिक विकास को बढ़ावा देना है।</li> <li>इस परियोजना से धरासू से यमुनोत्री तक की यात्रा दूरी लगभग 20 किमी और यात्रा समय लगभग एक घंटा कम होने का अनुमान है।</li> <li>इसका उद्देश्य 25.600 किमी के सड़क सुधार के दौरान पेड़ों को संरक्षित करना है।</li> </ul>
<p><b>E30 इलेक्ट्रिक ट्रैक्टर</b></p> 	<p>ट्रैक्टर एंड फार्म इक्विपमेंट लिमिटेड (TAFE) ने हाल ही में जर्मनी के हनोवर में एग्रीटेक्निका व्यापार मेले में E30 इलेक्ट्रिक ट्रैक्टर और हाइड्रोजन-संचालित कॉन्सेप्ट ट्रैक्टर पेश किया है। <b>E30 इलेक्ट्रिक ट्रैक्टर:</b></p> <ul style="list-style-type: none"> <li>E30 एक 27 एचपी कॉम्पैक्ट ट्रैक्टर है जो लिथियम-आयन बैटरी और दो-स्पीड ट्रांसमिशन से युक्त है।</li> <li>यह डिजाइन 0 से 10 किमी/घंटा या 0 से 24 किमी/घंटा तक गति को सक्षम बनाता है।</li> </ul> <p><b>हाइड्रोजन-संचालित कॉन्सेप्ट ट्रैक्टर</b></p> <ul style="list-style-type: none"> <li>55 एचपी हाइड्रोजन-संचालित कॉन्सेप्ट ट्रैक्टर में सिम्पसन दहन इंजन है।</li> <li>कंपनी के बयान के अनुसार, इसकी उन्नत सुविधाओं के बावजूद, इस ट्रैक्टर में ईंधन भरने के लिए बुनियादी ढांचा अभी तक स्थापित नहीं हुआ है।</li> </ul> <p><b>उद्देश्य और अनुप्रयोग</b></p> <ul style="list-style-type: none"> <li>E30 इलेक्ट्रिक ट्रैक्टर ने केवल कृषि में बल्कि नगरपालिका, लॉजिस्टिक्स और सामग्री प्रबंधन व्यवसायों में भी उपयुक्त है।</li> </ul> <p><b>नई कॉम्पैक्ट रेंज:</b> TAFE ने 6028M (24 hp), 6028H (24 hp) और 6020M (18 hp) सहित उप-24 hp ट्रैक्टरों की एक श्रृंखला पेश की। <b>अनुप्रयोग:</b> ये कॉम्पैक्ट ट्रैक्टर कृषि, फ्रंट लोडर संचालन और बर्फ की जुताई सहित विभिन्न अनुप्रयोगों के लिए डिजाइन किए गए हैं।</p>
<p><b>मिरिस्टिका दलदल</b></p> 	<p>हाल ही में, यह पाया गया है कि मिरिस्टिका दलदल (Myristica swamps), जो कई प्रजातियों के लिए स्थानिक हैं, को गंभीर रूप से संरक्षण की आवश्यकता है। <b>मिरिस्टिका दलदल (Myristica swamps) के बारे में:</b></p> <ul style="list-style-type: none"> <li>मिरिस्टिका दलदलों को जीवित जीवाश्म माना जाता है क्योंकि उनकी स्थिति एक जैव विविधता हॉटस्पॉट के रूप में होती है, जिसमें विश्व स्तर पर सबसे पुराने फूल वाले पौधों में से एक, मिरिस्टिकासी परिवार के सदाबहार पेड़ों का वर्चस्व होता है।</li> <li>ये दलदल मीठे पानी के पारिस्थितिक तंत्र हैं जिनकी विशेषता सदाबहार पेड़ हैं जिनकी जड़ें जलयुक्त मिट्टी में उगती हैं, जो साल भर पानी में डूबी रहती हैं।</li> <li>लाखों वर्षों में विकसित होने वाले इन दलदलों में पुराने-विकसित पेड़ शामिल हैं जो समय के साथ कायम हैं।</li> <li>भारत में, मिरिस्टिका दलदल मुख्य रूप से पश्चिमी घाट में पाए जाते हैं, जिनका वितरण अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में कम है।</li> <li>उच्च आर्द्रता, मध्यम तापमान और पर्याप्त मैक्रोहैबिटेट उपलब्धता सहित स्थिर पारिस्थितिक स्थितियों के कारण मिरिस्टिका दलदल विविध कशेरुकी और अकशेरुकी प्रजातियों को आश्रय देते हैं।</li> </ul>
<p><b>लैंगलैंड्स कार्यक्रम</b></p> 	<p><b>लैंगलैंड्स कार्यक्रम (Langlands Program) के बारे में:</b></p> <ul style="list-style-type: none"> <li>गणितज्ञ रॉबर्ट लैंगलैंड्स ने 1967 में आंद्रे वेइल को एक पत्र लिखकर लैंगलैंड्स कार्यक्रम का प्रस्ताव रखा था।</li> <li>इस कार्यक्रम का उद्देश्य प्रतिनिधित्व सिद्धांत (Representation theory) को गणित की दो अलग-अलग शाखाओं, संख्या सिद्धांत के साथ जोड़ना था।</li> <li>लैंगलैंड्स कार्यक्रम में जटिल सैद्धांतिक अमूर्तताएं शामिल हैं जो विविध गणितीय क्षेत्रों को जोड़ती हैं।</li> </ul>





	<ul style="list-style-type: none"> <li>➤ इसका प्राथमिक लक्ष्य संख्या सिद्धांत (संख्याओं के बीच अंकगणितीय संबंधों से निपटना) और हार्मोनिक विश्लेषण (आवधिक घटनाओं पर केंद्रित) के बीच संबंध स्थापित करना है।</li> <li>➤ इस कार्यक्रम ने महत्वपूर्ण गणितीय प्रमाणों को सुविधाजनक बनाया है, जिसमें 1994 में एंड्रयू विल्स और रिचर्ड टेलर द्वारा फ़र्मेट के अंतिम प्रमेय के समाधान में सहायता करना भी शामिल है।</li> <li>➤ यह नए ऑटोमोर्फिक फ़ंक्शंस के निर्माण को सक्षम बनाता है, जो रामानुजन जैसे अनुमानों को हल करने के लिए आवश्यक हैं।</li> </ul>
<h3>दक्षिण चीन सागर</h3>	<p>हाल ही में, फिलीपींस ने दक्षिण चीन सागर से संबंधित एक स्वतंत्र आचार संहिता स्थापित करने के बारे में, चर्चा में मलेशिया और वियतनाम जैसे पड़ोसी देशों को शामिल करने के लिए कदम उठाए हैं।</p> <p><b>दक्षिण चीन सागर के बारे में</b></p> <p>दक्षिण चीन सागर पश्चिमी प्रशांत महासागर के विस्तार के रूप में स्थित है, जो दक्षिण पूर्व एशियाई मुख्य भूमि के समानांतर चलता है। इसकी सीमाएँ चीन, ताइवान, फिलीपींस, मलेशिया, इंडोनेशिया, ब्रुनेई और वियतनाम सहित कई देशों के साथ लगती हैं। यह एक महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग के रूप में कार्य करता है, जो व्यापार के लिए दुनिया का दूसरा सबसे व्यस्त समुद्री मार्ग है। इसमें हांगकांग, सिंगापुर और काऊशुंग (ताइवान में) जैसे प्रमुख वाणिज्यिक बंदरगाह हैं, जो व्यापार और वाणिज्य के लिए महत्वपूर्ण केंद्र के रूप में कार्यरत हैं। फारस की खाड़ी और अफ्रीका जैसे क्षेत्रों से विभिन्न एशियाई गंतव्यों तक कच्चे तेल के परिवहन को महत्वपूर्ण रूप से सुविधाजनक बनाता है। इसमें पारासेल द्वीप समूह (चीन के नियंत्रण में) और स्पैटली द्वीप समूह जैसे प्रमुख द्वीप समूह शामिल हैं। यह चीन, वियतनाम, फिलीपींस, ताइवान, मलेशिया और ब्रुनेई से जुड़े क्षेत्रीय विवादों में संलग्न है। चीन के व्यापक क्षेत्रीय दावों, विशेष रूप से विवादास्पद "नाइन-डैश लाइन" के कारण पड़ोसी देशों के साथ तनाव और संघर्ष हुआ है।</p> 
<h3>समाचारों में स्थान</h3> <h4>डोमिनिका</h4>	<p>हाल ही में कैरेबियाई द्वीप डोमिनिका ने घोषणा की कि वह दुनिया का पहला स्पर्म व्हेल रिजर्व बनाएगा।</p> <p><b>डोमिनिका:</b></p> <p><b>अवस्थिति:</b> डोमिनिका कैरेबियन सागर में स्थित एक द्वीप देश है। यह लेसर एंटील्स द्वीपसमूह में विंडवर्ड द्वीप समूह का हिस्सा है।</p> <p><b>समुद्री सीमाएँ:</b> डोमिनिका अपनी समुद्री सीमाएँ उत्तर में फ्रांसीसी गणराज्य के साथ साझा करता है, जिसका प्रतिनिधित्व ग्वाडेलोप द्वारा किया जाता है और दक्षिण में मार्टीनिक द्वारा दर्शाया जाता है।</p> <p><b>भौतिक विशेषताएँ:</b></p> <ul style="list-style-type: none"> <li>➤ डोमिनिका नदियों से समृद्ध है, जिनकी संख्या 365 है, और इसमें हरे-भरे वर्षावन हैं।</li> <li>➤ भू-तापीय-ज्वालामुखीय गतिविधि की उपस्थिति अद्वितीय भूवैज्ञानिक संरचनाओं से प्रमाणित होती है, यहाँ दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा गर्म पानी का झरना जिसे बोइलिंग लेक कहा जाता है।</li> <li>➤ यहाँ मोर्ने डायब्लोटिन्स, सबसे ऊंची चोटी, 1,447 मीटर (4,747 फीट) ऊंची है और एक निष्क्रिय ज्वालामुखी है।</li> <li>➤ यहाँ मोर्ने ट्रोइस पिटोंस, दूसरी सबसे ऊंची चोटी, 1,387 मीटर (4,550 फीट) तक पहुंचती है।</li> </ul> 

## POINTS TO PONDER

- ❖ अभ्यास मित्र शक्ति-2023 भारत और किस देश के बीच आयोजित किया गया है? - श्रीलंका
- ❖ 2023 तक, कौन सा देश दुनिया का सबसे बड़ा प्रदूषक देश है? - चीन
- ❖ किस संस्था ने रेत और धूल तूफान (Sand and Dust Storms) : कृषि में शमन, अनुकूलन, नीति और जोखिम प्रबंधन उपायों के लिए एक गाइड शीर्षक से रिपोर्ट जारी की? - खाद्य एवं कृषि संगठन
- ❖ विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने हाल ही में आधिकारिक तौर पर किस स्थिति को गंभीर वैश्विक स्वास्थ्य खतरे के रूप में मान्यता दी है? - अकेलापन (Loneliness)
- ❖ ज़ोरावर लाइट टैंक परियोजना किस संगठन की सहयोगी पहल है? - डीआरडीओ और लार्सन एंड टुब्रो

## Face to Face Centres